भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A. 2 years)	सत्रार्द्ध : चतुर्थ Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	**PGT-JYV 45**	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(EESC) ज्योतिष परामर्शकेन्द्र सञ्चालन	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) {Core Course/ VAC(EESC)}	विषय VAC (EESC)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से एकवार्षिक स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध/द्विवार्षिक स्नातकोत्तर तृतीय सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण तथा ज्योतिष/ज्योतिर्विज्ञान विषय में प्रमाणपत्र/पत्रोपाधि/उपाधि प्राप्त छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. कुण्डली फलादेश के नियमों को जानने में सक्षम होंगें । 2. भारतीय प्रश्नज्योतिष विधान का प्रयोग करने में सक्षम होंगे । 3. फलादेश के माध्यम से समस्यानिदान कर सकेंगे। 4. विविध दोषों के निवारण हेतु उपाय प्रदान कर सकेंगे। 5. ज्योतिष परामर्शकेन्द्र सञ्चालन कर सकेंगे ।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	2	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह एक कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 1 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- तीस घण्टे (30 hours)

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

L-T-P: 1-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**ज्योतिष परिचय** 1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय (त्रिस्कन्ध ज्योतिष, राशि, ग्रह एवं भावविमर्श) 2. ज्योतिष शास्त्र का महत्त्व 3. मुहूर्त, शकुन, रमल, प्रश्न, ताजिक आदि ज्योतिषीय विधाओं का परिचय **गतिविधियाँ** त्रिस्कन्ध ज्योतिष विषय पर भाषण ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व विषय पर निबन्धलेखन	06
2	**परामर्श विधान** 1. ज्योतिषीय परामर्श की सामाजिक आवश्यकता 2. ज्योतिषीय परामर्श की सामाजिक उपयोगिता 3. कुण्डली फलादेश के नियम 4. दशाफलविचार **गतिविधियाँ** ज्योतिषीय परामर्श की सामाजिक उपयोगिता विषय पर भाषण कुण्डली फलादेश के नियम विषय पर निबन्धलेखन	06
3	**प्रश्नफलकथन** 1. प्रश्नज्योतिष के नियम	06

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	2. प्रश्नवर्गीकरण एवं समस्यानिदान 3. भूतकालिक फलादेश से सटीकता का आकलन 4. गोचरफलविचार **गतिविधियाँ** भारतीय प्रश्नज्योतिष विषय पर निबन्धलेखन फलादेश की सटीकता विषय पर उदाहरण प्रस्तुतिकरण	
4	**दोषोपचार एवं शान्तिविधान** 1. ज्योतिष परामर्श एवम् आयुर्वेद 2. विविध शान्तिविधान 3. दान एवं जप 4. रत्नविमर्श **गतिविधियाँ** ग्रहशान्तिविधान विषय पर निबन्धलेखन ग्रहों के रत्न, दानपदार्थ तथा मन्त्रों पर आधारित सारिणीनिर्माण	06
5	**परामर्शकेन्द्र प्रबन्धन** 1. परामर्शकेन्द्र स्थापना का उद्देश्य 2. कार्यालय व्यवस्थापन 3. वेबसाइट प्रबन्धन 4. प्रचार-प्रसार व्यवस्था 5. प्रचार में सोशलमीडिया प्लेटफार्म्स की उपयोगिता 6. पञ्जीकरण, समय तथा शुल्क प्रबन्धन **गतिविधियाँ** कार्यालय व्यवस्थापन विषय पर निबन्ध लेखन प्रचार में सोशलमीडिया प्लेटफार्म्स की उपयोगिता विषय पर भाषण	06

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : ज्योतिष परामर्श, प्रश्नज्योतिष, शान्तिविधान		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1. भारतीय ज्योतिष- शंकरबालकृष्ण दीक्षित, अनु. शिवनाथ झारखण्डी- उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 2002 2. भारतीय ज्योतिष डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 3. जातकपारिजात- वैद्यनाथ टीका. गोपेशकुमार ओझा- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1999 4. जन्मपत्री रचना विज्ञान- डॉ. शुभम् शर्मा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. विनोदकुमार पाण्डेय, डॉ.मनीष शर्मा - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, 2020 5. कार्यालय प्रबन्धन- संजय गुप्ता, एसबीपीडी पब्लिकेशंस 6. George Richard- Marketing Tourism and Hospitality- Palgrave macmillan 7. रत्न विमर्श - डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, साहित्य संगम, इलाहाबाद। 8. रत्न परिचय और चिकित्सा विज्ञान - डॉ. रामकृष्ण उपाध्याय, रणधीर बुक सेल्स, हरिद्वार। Suggestive digital platforms/ web links-		
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम **Suggested equivalent online courses:** **1. Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3.sanskrit.samskrutam.com** **4.swayam.gov.in**		
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क** (University Exam) (UE): 100 Marks		
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00**	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न	100

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	
Any remarks/ suggestions:		

विभागाध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)